

श्रीः  
श्रीमते रामानुजाय नमः  
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

सेरा श्री श्रीनिरासराघरार्य महादेशिक रिरचितं  
॥ श्रीलक्ष्मीहयरदन सुप्रभातम् ॥

*This document has been prepared by*

*Sunder Kidāmbi*

*with the blessings of*

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

*His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam*

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

## ॥ श्रीलक्ष्मीहयवदन सुप्रभातम् ॥

रेधोमुँरिधिरदरिँतपादपद्म

रेदप्रदान परिकर्मित हस्तपद्म।

रिश्रानुपालनकृतक्षणनेत्रपद्म

लक्ष्मीहयास्य भगवन् तव सुप्रभातम् ॥ 1 ॥

यद्धेधसां प्रथमशिक्षणमन्त्रतानीः

रेधोहरलेपरिहतिं पुनरभ्यकार्षीः।

अत्यादरात्पुनरिहागतवान् मदर्थे

लक्ष्मीहयास्य भगवन् तव सुप्रभातम् ॥ 2 ॥

निद्रातुरे जगति नीचपथप्रवृत्ते

नेत्रे निमील्य निगमाध्वरनि निरिँशक्के।

निद्रां जहि वरम् अधुना मधुबोधनार्थं

लक्ष्मीहयास्य भगवन् तव सुप्रभातम् ॥ 3 ॥

वरां माधवः मधुभिदं बहुमानमेव

मध्वराशया मधुलिहो बहुभागधेयम्।

भोक्तुं गृणन्ति मधुमन्त्रमजिह्वरिया द्राक्

लक्ष्मीहयास्य भगवन् तव सुप्रभातम् ॥ 4 ॥

श्रुत्या श्रिया समुपसेरितदिर्यरूप

स्मृत्यादिभिः समुपबृंहितदिर्यनामन्।

भक्तिप्रपत्तिपरिपोषितदिर्यतेज

लक्ष्मीहयास्य भगवन् तव सुप्रभातम् ॥ 5 ॥

হেষারর শ্রুতিরিতি শ্রুতমাত্মরিদ্ভিঃ  
হেষাং তরানুভরিতুং শ্রুতিমুদগণন্তি।  
শ্রুৎরাদ্য জাগৃহি মযাপ্রতি বোধিতস্সন্  
লক্ষ্মীহযাস্য ভগবন্ তর সুপ্রভাতম্ ॥ 6 ॥

সাম্যং দদাসি পরমং ৎরদুপাসকানাং  
রেদান্তদেশিকগুরৌ প্রতিপন্নমেতম্।  
র্যাখ্যানকৌশলকরং শ্রুতিপুস্তকং চ  
লক্ষ্মীহযাস্য ভগবন্ তর সুপ্রভাতম্ ॥ 7 ॥

রেদান্তদেশিকগুরুস্তর পূজনায  
ৎরৎপাদপঙ্কজ সমর্পিতসর্ভভারঃ।  
আস্তেধি সাৎরিকগণৈর্মণিমণ্ডপং তে  
লক্ষ্মীহযাস্য ভগবন্ তর সুপ্রভাতম্ ॥ 8 ॥

॥ ইতি শ্রীলক্ষ্মীহরদন সুপ্রভাতং সমাপ্তম্ ॥